3 हिन्दी व्याकरण

(क) शब्दों में सूक्ष्म अन्तर

कुछ शब्द ऐसे होते हैं, जिनके अर्थ लगभग समान होते हैं, किन्तु उनके अर्थ में सूक्ष्म अन्तर होता है। यहाँ कुछ शब्द और उनके सूक्ष्म अन्तर दिये गये हैं–

1. **अस्त्र**–फेंककर चलाया जाने वाला हथियार जैसे–परमाणु बम।
   शस्त्र–हाथ में लेकर चलाया जाने वाला हथियार जैसे–बन्दूक।
2. **अज्ञानी**–जिसे कुछ भी ज्ञान न हो।
   अनभिज्ञ–जिसे कुछ भी अनुभव न हो।
3. **अध्यक्ष**–विभाग का प्रमुख।
   सभापति–सभा की अध्यक्षता करने वाला।
4. **अध्ययन**–सामान्य रूप से पढ़ना-लिखना।
   अनुशीलन–गम्भीर तथा शोधपरक अध्ययन
5. **अलि**–भौंरा।
   अली–सखी।
6. **भिज्ञ**–जानकार।
   अनभिज्ञ–अनजान।
7. **अवलम्ब**–सहारा।
   अविलम्ब–शीघ्र।
8. **अविराम**–लगातार।
   अभिराम–सुन्दर।
9. **प्रलाप**–बकवास।
   विलाप–रोना।
10. **श्वजन**–कुत्ता।
    स्वजन–आदमी।
11. **पुरुष**–आदमी।
    परुष–कठोर।
12. **कुल**–वंश।
    कूल–किनारा।
13. **निर्धन (दरिद्र)**–जिसके पास कोई सम्पत्ति न हो।
    दीन–निर्धन होने के चलते स्वाभिमान से रहित।
14. **कलंक**–किसी बुराई के चलते प्राप्त लांछन।
    अपयश–व्यापक बदनामी, बुराई।
15. **कविता**–पद्यबद्ध कथन।
    काव्य–कवि का कृतित्व।
16. **कष्ट**–तन और मन की असुविधा।
    क्लेश–पूरे मन का अप्रिय भाव।
    व्यथा–कष्टकारक अनुभव।
17. **चेष्टा**–शक्ति के अनुसार कार्य।
    प्रयत्न–उपाय या प्रयास।

18. **मुनि**—धर्म या आध्यात्मिक तत्त्वों को बताने वाला।
ऋषि—मन्त्रों या आध्यात्मिक तत्त्वों को बताने वाला।
19. **माप**—तरल पदार्थों की तौल।
नाप—लम्बाई या दूरी का आकलन।
20. **क्षमता**—कार्य करने की सामर्थ्य या शक्ति।
योग्यता—कार्य करने की गुणयुक्त विशेषता।
21. **वीरता**—वीर का स्वाभाविक गुण।
साहस—भय पर विजय पाने का भाव।
22. **स्त्री**—कोई भी महिला।
पत्नी—किसी पुरुष की विवाहित स्त्री।
23. **पारितोषिक**—किसी प्रतियोगिता में विजयी होने पर मिला उपहार।
पुरस्कार—किसी विशेष सेवा कार्य के लिए प्राप्त उपहार।
24. **सभ्यता**—रहन-सहन या व्यवहार का बाहरी रूप।
संस्कृति—आन्तरिक सुन्दर संस्कार।
25. **सेवा**—गुरुजनों के लिए परिजन का कार्य।
शुश्रूषा—रोगी व्यक्ति के लिए कार्य।
परिचर्या—दोनों प्रकार की सेवा।
26. **अवस्था**—दशा।
आयु—उम्र।
27. **अलौकिक**—जो संसार में प्राप्त न हो, स्वर्गिक, ईश्वरीय।
असाधारण—सामान्य से अधिक विशेषता युक्त।
28. **निश्चय**—तय करना।
संकल्प—प्रणपूर्वक निश्चय।
29. **भक्ति**—धर्म की भावना से युक्त प्रेम।
श्रद्धा—किन्हीं गुणों के कारण आदर सहित प्रेम।
30. **संघर्ष**—परिस्थितियों से व्यक्तियों से सामना करना।
द्वन्द्व—दो व्यक्तियों या भावों के बीच संघर्ष।
31. **तट**—नदी या समुद्र का किनारा।
पुलिन—किनारे की गीली भूमि।
32. **जलद**—बादल।
जलधि—समुद्र।
33. **अनिल**—हवा।
अनल—आग।

|| बहुविकल्पीय प्रश्न ||

निर्देश— निम्नलिखित शब्द-युग्मों के सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. **श्रवण-श्रमण**
(क) पाप और पुण्य (ख) सज्जन और दुर्जन (ग) कान और भिक्षु (घ) सावन और परिश्रमी
उत्तर—(ग) कान और भिक्षु।
2. **वसन-व्यसन**
(क) विवश और व्याकुल (ख) वस्त्र और आदत (ग) कवच और भोजन (घ) विस्तार और अवधि
उत्तर—(ख) वस्त्र और आदत।
3. **अविराम-अभिराम**
(क) लगातार और रुचिकर (ख) बिना रोक के और सुन्दर (ग) अनवरत और आकर्षक (घ) सुन्दर और आकर्षक
उत्तर—(ख) बिना रोक के और सुन्दर।

4. **अंश-अंशु**
(क) भाग और सूर्य (ख) सूर्य और भाग (ग) भाग और किरण (घ) भाग और वरुण
उत्तर–(ग) भाग और किरण।

5. **कटिबन्ध-कटिबद्ध**
(क) फेंटा और तैयार (ख) करधनी और तैयार (ग) तैयार और बावजूद (घ) उद्यत और उद्धत
उत्तर–(ख) करधनी और तैयार।

6. **बात-वात**
(क) बातें और हवा (ख) रोग और दवा (ग) वायु और विकार (घ) विचार और शिकार
उत्तर–(क) बातें और हवा।

7. **द्रव-द्रव्य**
(क) तरल पदार्थ और धन (ख) धन और धान्य (ग) दान और दातार (घ) दवा और दया
उत्तर–(क) तरल पदार्थ और धन।

8. **स्वर्ण-सवर्ण**
(क) सोना और अच्छा रंग (ख) सुनार और सोना (ग) सोना और चाँदी (घ) सोना और उच्च जाति
उत्तर–(घ) सोना और उच्च जाति।

9. **विहग-विहंग**
(क) पक्षी और बालक (ख) पक्षी और तोता (ग) पक्षी और आकाश (घ) आकाश और पक्षी
उत्तर–(ख) पक्षी और तोता।

10. **अंस-अंश**
(क) अंकुर और हिस्सा (ख) हिस्सा और अंकुर (ग) कंधा और हिस्सा (घ) हिस्सा और कंधा
उत्तर–(ग) कंधा और हिस्सा।

11. **अन्न-अन्य**
(क) अनाज और दूसरा (ख) भोजन और अनेक (ग) गेहूँ और वह (घ) बेकार और दूसरा
उत्तर–(क) अनाज और दूसरा।

12. **अचार-आचार**
(क) बुरा आचरण और अच्छा (ख) मुरब्बा और आचरण (ग) स्थिर और चल (घ) आम और चारा
उत्तर–(ख) मुरब्बा और आचरण।

13. **अभय-उभय**
(क) निडर और दोनों (ख) भयरहित और निडर (ग) निर्भर और कायर (घ) आभायुक्त और अन्य
उत्तर–(क) निडर और दोनों।

14. **अंबुज-अंबुद**
(क) कमल और बादल (ख) जल और कमल (ग) बादल और समुद्र (घ) समुद्र और कमल
उत्तर–(क) कमल और बादल।

15. **अपेक्षा-उपेक्षा**
(क) तुला और निरादर (ख) तुलना और बुराई (ग) तुलना में और अवहेलना (घ) चाह और बुराई
उत्तर–(ग) तुलना में और अवहेलना।

16. **अनल-अनिल**
(क) वायु और अग्नि (ख) पानी और आग (ग) अग्नि और वायु (घ) जल और हवा
उत्तर–(ग) अग्नि और वायु।

17. **अम्ब-अम्बु**
(क) आम-जल (ख) माता-जल (ग) माता-आम (घ) जल-आम
उत्तर–(ख) माता-जल।

(ख) अनेकार्थी शब्द

जब एक शब्द के अनेक अर्थ होते हैं, तो उन्हें अनेकार्थक या पर्यायवाची शब्द कहा जाता है। यद्यपि शब्द के अनेक अर्थ होते हैं, किन्तु एक प्रसंग में उनका एक ही अर्थ होता है। कुछ अनेकार्थी शब्द यहाँ दिये जा रहे हैं–

1. **अम्बर** वस्त्र, आकाश।
2. **अलि** भौंरा, सखी, बिच्छू।
3. **अर्क** सूर्य, मदार।
4. **अक्षत** चावल का दाना, अखण्ड।
5. **उत्तर** जवाब, भविष्य।
6. **कर** हाथ, किरण।
7. **कनक** सोना, धतूरा।
8. **कर्ण** कान, कुन्ती का पुत्र, समकोण त्रिभुज के सामने की भुजा।
9. **काल** समय, मृत्यु।
10. **काण्ड** घटना, अध्याय, समूह।
11. **गो** गाय, इन्द्रिय।
12. **गुरु** अध्यापक, बड़ा।
13. **घन** बादल, घना।
14. **चपला** लक्ष्मी, बिजली।
15. **जीवन** पानी, प्राण।
16. **कमल** जलज, मोती, सेवार, शंख।
17. **जड़** मूर्ख, मूल।
18. **तम** अँधेरा, तमोगुण।
19. **दल** समूह, पत्ता।
20. **द्विज** पक्षी, दाँत, ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य।
21. **नग** पर्वत, नगीना, वृक्ष।
22. **नाग** सर्प, हाथी।
23. **पत्र** पत्ता, चिट्ठी।
24. **पक्ष** पंख, पन्द्रह दिन, तरफ।
25. **पतंग** सूर्य, गुड्डी (चंग), पृथ्वी।
26. **पय** दूध, पानी।
27. **पयोधर** स्तन, बादल।
28. **पूत** पवित्र, पुत्र।
29. **मधु** शहद, शराब, चैत का महीना।
30. **मित्र** दोस्त, सूर्य।
31. **मुद्रा** रुपया-पैसा, विशेष आकृति।
32. **राग** प्रेम, आसक्ति, गाने की लय।
33. **वर** श्रेष्ठ, दूल्हा, वरदान।
34. **वर्ण** अक्षर, रंग, जाति।
35. **विधि** ब्रह्मा, ढंग (रीति)।

36. **सोम** सोमवार, चन्द्र, कुबेर, स्वर्ण।
37. **शक्ति** बल, दुर्गा आदि।
38. **शिखा** चोटी, आग की लौ।
39. **शिव** महादेव, कल्याण।
40. **सुरभि** कामधेनु, बसन्त, सुगन्ध।
41. **सर** तालाब, बाण।
42. **सारंग** मोर, साँप, कोयल।
43. **हरि** विष्णु, बन्दर, सिंह।
44. **हर** महादेव, आग।
45. **हार** पराजय, गले का हार।
46. **नीरज** जलज, अम्बुज, कमल।
47. **चन्द्रमा** शशि, चाँद, चन्द्र, सुधांशु।
48. **अग्नि** आग, पावक, अनल।
49. **खल** दुष्ट, दुर्जन, अधम।
50. **कर्ण** कान, कुन्ती के पुत्र का नाम, समकोण त्रिभुज के सामने की भुजा।
51. **कल** चैन, सुन्दर, मधुर, ध्वनि, बीता हुआ या आने वाला दिन, मशीन।
52. **कला** कार्य की योग्यता, सीना पिरोना, भोजन बनाना, श्रृंगार आदि 64 कलाएँ।
53. **काम** कामना, सौन्दर्य का देवता, इच्छा, वासना।
54. **कुल** समस्त, वंश, केवल।
55. **केतु** ध्वजा, एक ग्रह का नाम, पुच्छल तारा।
56. **खग** पक्षी, तार, गन्धर्व वाण।
57. **खल** दुष्ट, धतूरा, दवा कूटने का पात्र (खरल)।
58. **गण** समूह, समुदाय, भूत-प्रेत, छन्द के वर्ण समूह (जगण, तगण आदि आठ गण)।
59. **गुण** विशेषता, रस्सी।
60. **गज** हाथी, नापने की एक इकाई।
61. **चक्र** कुम्हार का चाक, गोला, पहिया, चकवा।
62. **चीर** वस्त्र, पोशाक, चिथड़ा, रेखा, बक्कल।
63. **छन्द** पद्य, इच्छा, मत, कार्य।
64. **जलद** बादल, समुद्र।
65. **टेक** सहारा, प्रतिज्ञा, हठ, गीत का बार-बार दुहराया जाने वाला अंश।
66. **तात** पिता, पूज्य, भाई, मित्र।
67. **दण्ड** डण्डा, सजा, समय की छोटी नाप।
68. **दाम** मूल्य, धन, माला, रस्सी।
69. **नाक** नासिका, स्वर्ग, आकाश।
70. **पद** पैदल, स्थान, अधिकार, छन्द का एक चरण, गीत (पद)।
71. **पय** दूध, जल, अन्न।
72. **फल** लाभ, परिणाम, किसी वृक्ष का फल, शस्त्र की धार।
73. **मधु** शहद, शराब, पराग, वसन्त ऋतु, चैत्र मास।
74. **मित्र** दोस्त, सूर्य, सहयोगी।

75. **मुद्रा** अँगूठी, छाप, रुपया, आकृति।
76. **वर्ण** रंग, अक्षर, आकृति।
77. **विग्रह** लड़ाई, शरीर, समाज को बाँटना।
78. **सांग** मोर, साँप, हिरन, हंस, सिंह, कोयल, भ्रमर, धनुष।
79. **रजत** चाँदी, हाथी, सफेद, दाँत।
80. **वन** जंगल, किरण, वाटिका, मकान।
81. **गरल** विष, बिच्छू, साँप।
82. **गिरिधर** गोवर्धन पर्वत धारण करने वाले, कृष्ण।
83. **तनया** पुत्री, पिण्वन नाम की लता।
84. **अज** अजन्मा, ब्रह्मा, बकरा, कामदेव।

॥ बहुविकल्पीय प्रश्न ॥

निर्देश— सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. **'उदधि' शब्द का कौन-सा अर्थ सही नहीं है?**
   (क) उत्तम दधि (ख) समुद्र (ग) सागर (घ) जलधि
   उत्तर—(क) उत्तम दधि।
2. **'करि' शब्द के सही अर्थ को चुनकर लिखिए।**
   (क) हाथी (ख) सूँड़ वाला (ग) करने वाला (घ) चोर
   उत्तर—(क) हाथी।
3. **'अकाल' शब्द का अर्थ नहीं है—**
   (क) दुर्भिक्ष (ख) मृत्यु (ग) कमी (घ) असमय
   उत्तर—(ग) कमी।
4. **'तारा' शब्द का अर्थ है—**
   (क) नक्षत्र (ख) चन्द्र (ग) लेखनी (घ) रश्मि
   उत्तर—(क) नक्षत्र।
5. **'हार' शब्द के सही अर्थ को चुनकर लिखिए—**
   (क) गले का आभूषण (ख) पराजय (ग) घबराना (घ) दुःख
   उत्तर—(ख) पराजय।
6. **'द्विज' का अर्थ है—**
   (क) ब्राह्मण (ख) पशु (ग) सिंह (घ) क्षत्रिय
   उत्तर—(क) ब्राह्मण।
7. **'अम्बर' शब्द का कौन-सा अर्थ नहीं है?**
   (क) आकाश (ख) वस्त्र (ग) आम (घ) केशर
   उत्तर—(घ) केशर।
8. **'मित्र' शब्द का सही अर्थ है—**
   (क) धन (ख) सूर्य (ग) हाथ (घ) वानर
   उत्तर—(ख) सूर्य।

9. 'हंस' शब्द का सही अर्थ नहीं है–

(क) एक पक्षी (ख) हँसना (ग) सूर्य (घ) आत्मा

उत्तर–(ख) हँसना।

10. 'सुरभि' शब्द का कौन-सा अर्थ सही नहीं है?

(क) सुगन्धि (ख) सवेरा (ग) पृथ्वी (घ) गौ

उत्तर–(ख) सवेरा।

(ग) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

	शब्द-समूह	एक शब्द
1.	जो ईश्वर में विश्वास करता है	आस्तिक
2.	जिसे काटा न जा सके	अकाट्य
3.	जो पढ़ना-लिखना जानता हो	साक्षर
4.	नारी जिसका पति न हो	विधवा
5.	जो शिक्षा देता है	शिक्षक
6.	पिता की हत्या करने वाला	पितृहन्ता
7.	जो कहा न जा सके	अकथनीय
8.	सौ वर्ष की आयु पूरी करने वाला	शतायु
9.	जिसकी गणना न की जा सके	अगणित
10.	सत्य आचरण करने वाला	सदाचारी
11.	जो कभी जन्म नहीं लेता	अजन्मा
12.	किये गये उपकार को न मानने वाला	कृतघ्न
13.	जिसको ईश्वर में विश्वास न हो	नास्तिक
14.	जानने की इच्छा रखने वाला	जिज्ञासु
15.	सौ वर्ष का समय	शताब्दी
16.	दोपहर के बाद का समय	अपराह्न
17.	वह पुरुष जिसकी पत्नी मर गयी हो	विधुर
18.	जिसका कोई स्वामी या रक्षक न हो	अनाथ
19.	जिसकी उपमा न हो	निरुपम
20.	जो सब कुछ जानता हो	सर्वज्ञ
21.	प्रतिदिन प्रकाशित होने वाला समाचार-पत्र	दैनिक
22.	जिसमें कुछ करने की क्षमता न हो	अक्षम
23.	जो एक ही माता के उदर से उत्पन्न हुए हों	सहोदर
24.	अभी-अभी स्नान किया हुआ	सद्यस्नात
25.	जो कीचड़ से उत्पन्न होता है	पंकज
26.	जिसकी आँखें हिरण की आँखों के समान हैं	मृगनयनी
27.	जो भूखा हो	बुभुक्षित
28.	जंगल की अग्नि	दावाग्नि
29.	जो वन्दना करने योग्य हो	वन्दनीय

	शब्द-समूह	एक शब्द
30.	जिसके आने की कोई तिथि न हो	अतिथि
31.	जो स्त्री कविता लिखती हो	कवयित्री
32.	जो कभी न मरता हो	अमर
33.	जिसे क्षमा किया जा सके	क्षम्य
34.	स्वयं उत्पन्न होने वाला	स्वयंभू
35.	जो पहले कभी न हुआ हो	अभूतपूर्व
36.	जीने की इच्छा	जिजीविषा
37.	पृथ्वी और आकाश के बीच का स्थान	अन्तरिक्ष
38.	रास्ता दिखाने वाला	पथप्रदर्शक
39.	घृणा के योग्य	घृणास्पद
40.	सदा सत्य बोलने वाला	सत्यवादी
41.	जिसे अपने कार्य में सफलता मिली हो	कृतकार्य
42.	सत्य में जिसका दृढ़ विश्वास हो	सत्यनिष्ठ
43.	जिसकी इच्छाएँ बहुत ऊँची हों	महत्त्वाकांक्षी
44.	दोपहर का समय	मध्याह्न
45.	जो इन्द्रियों से परे हो	इन्द्रियातीत
46.	जिससे किसी की तुलना न की जा सके	अतुलनीय
47.	जिसका दमन न किया जा सके	अदम्य
48.	जिसके समान कोई दूसरा न हो	अद्वितीय
49.	जिसका कोई अन्त न हो	अनन्त
50.	जो गलत कार्य के लिए हठ करे	दुराग्रही
51.	जिसका कोई शत्रु पैदा ही न हो	अजातशत्रु
52.	जो जीता न जा सके	अजेय
53.	हृदय की बात जानने वाला	अन्तर्यामी
54.	अनुकरण करने योग्य	अनुकरणीय
55.	जो सामान्य नियम के विरुद्ध हो	अपवाद
56.	जो ऋण से मुक्त हो गया हो	उऋण
57.	को कभी बूढ़ा नहीं होता	अजर
58.	जिसको क्षमा न किया जा सके	अक्षम्य
59.	जिसका जन्म पहले हुआ हो ऐसा भाई	अग्रज
60.	हाथी हाँकने का छोटा भाला	अंकुश
61.	जिसकी कल्पना न की जा सके	अकल्पनीय
62.	जिसके पास कुछ न हो	अंकिचन
63.	सबसे पहले गिना जाने वाला	अग्रगण्य
64.	बिना वेतन लिए काम करने वाला	अवैतनिक
65.	जो विधान या नियम के प्रतिकूल हो	अवैधानिक
66.	रोगियों की चिकित्सा का स्थान	चिकित्सालय
67.	जो नष्ट होने वाला हो	नश्वर

	शब्द-समूह	एक शब्द
68.	जिसका कोई आकार न हो	निराकार
69.	पन्द्रहवें दिन वाला	पाक्षिक
70.	जिसके आर-पार देखा जा सके	पारदर्शी
71.	किसी कार्य को बार-बार करना	पुनरावृत्ति
72.	जो तुरन्त किसी बात को सोच ले	प्रत्युत्पन्नमति
73.	समान रूप से आगे बढ़ने की चेष्टा	प्रतिस्पर्द्धा
74.	जो आँखों के सामने हो	प्रत्यक्ष
75.	जो लौट गया है	प्रत्यावर्तित
76.	विदेश में रहने वाला	प्रवासी
77.	प्राप्त करने-योग्य	प्राप्तव्य
78.	प्रार्थना-पत्र भेजने वाला	प्रार्थी
79.	प्रिय बोलने वाली	प्रियंवदा
80.	बहुत-से रूप धारण करने वाला	बहुरूपिया
81.	जल में लगने वाली आग	बड़वाग्नि
82.	जिसने बहुत विद्वानों को सुना है	बहुश्रुत
83.	जो बहुत कुछ जानता हो	बहुज्ञ
84.	बहुत-सी भाषाओं को जानने वाला	बहुभाषाविद्
85.	वर्ष में एक बार प्रकाशित होने वाला	वार्षिक
86.	जिसके जोड़ का कोई दूसरा न हो	बेजोड़
87.	छोटे कद का आदमी	बौना
88.	दीवार पर बने हुए चित्र	भित्तिचित्र
89.	किसी मत को मानने वाला	मतानुयायी
90.	किसी बात का गूढ़ रहस्य जानने वाला	मर्मज्ञ
91.	जो मान-सम्मान के योग्य हो	माननीय
92.	संयम से और कम बोलने वाला	मितभाषी
93.	संयम से और कम खर्च करने वाला	मितव्ययी
94.	जो कम खाता हो	मितभोजी
95.	मोक्ष की इच्छा रखने वाला	मुमुक्षु
96.	नए युग का नई प्रवृत्ति को जन्म देने वाला	युगप्रवर्त्तक
97.	किसी देश का दूसरे देश में नियुक्त राजनीतिक प्रतिनिधि	राजदूत
98.	जिसे देख या सुनकर रोंगटे खड़े हो जाएँ	रोमांचकारी
99.	जिसके पास लाख रुपये की सम्पत्ति हो	लखपति
100.	वन में रहने वाला	वनवासी
101.	जो अधिक बोलता हो	वाचाल
102.	जिसके भीतर की हवा का तापमान समस्थिति में रखा गया हो	वातानुकूलित
103.	बीता हुआ	विगत

शब्द-समूह	एक शब्द
104. विदेश से सम्बन्ध रखने वाला	विदेशी
105. किसी विषय का प्रकाण्ड पण्डित	विशेषज्ञ
106. जो अपने धर्म के विपरीत आचरण करता हो	विधर्मी
107. किसी भी पक्ष का समर्थन न करने वाला	तटस्थ
108. किसी पद अथवा सेवा से मुक्ति का पत्र	त्यागपत्र
109. तीनों कालों की बात जानने वाला	त्रिकालज्ञ
110. तीनों युगों में होने वाला	त्रियुगी
111. तीनों लोकों का समूह	त्रिलोक
112. तीन नदियों (गंगा, यमुना, सरस्वती) का संगम	त्रिवेणी
113. तीन मास में एक बार आने वाला	त्रैमासिक
114. देखने-योग्य	दर्शनीय
115. एक राजनीतिक दल छोड़कर दूसरे में सम्मिलित होने वाला	दलबदलू
116. दस वर्ष का समय	दशक
117. जो दर्शनशास्त्र को जानता हो	दार्शनिक
118. वन में लगने वाली आग	दावानल
119. जो कठिनता से समझ में आए	दुर्ज्ञेय
120. जहाँ पहुँचना कठिन हो	दुर्गम
121. जिसका दमन करना कठिन हो	दुर्दमनीय
122. जिसे प्राप्त करना कठिन हो	दुर्लभ
123. जिसे पार करना कठिन हो	दुस्तर
124. जिसे समझना कठिन हो	दुर्बोध
125. अनुचित या बुरा आचरण करने वाला	दुराचारी
126. दूर तक देखने वाला	दूरदर्शक
127. आगे की बात पहले ही सोचने वाला	दूरदर्शी
128. धर्म में रुचि रखने वाला	धर्मात्मा
129. यात्रियों के लिए धर्मार्थ बना हुआ भवन	धर्मशाला
130. दूसरे के बच्चे का पालन-पोषण करने वाली स्त्री	धाय
131. नख से लेकर शिखा तक के सब अंग	नखशिख
132. नया उत्पन्न हुआ	नवजात
133. नया उदित होने वाला	नवोदित
134. जो नष्ट होने वाला हो	नश्वर
135. निश्चित तिथि पर आने वाला	नियमित
136. जिसका कोई आकार न हो	निराकार
137. जिसे कोई भय न हो	निर्भय
138. जिसकी उपमा न दी जा सके	निरुपम
139. मध्यरात्रि का समय	निशीथ
140. नीति को जानने व समझने वाला	नीतिज्ञ
141. जो न्यायशास्त्र की बात जानता हो	न्यायविद्
142. जिसके पाँच मुख हों	पंचमुखी

	शब्द-समूह	एक शब्द
143.	अपने पद से हटाया हुआ	पदच्युत
144.	पानी में डूबकर चलने वाली नाव	पनडुब्बी
145.	परमलक्ष्य की कामना करने वाला	परमार्थी
146.	दूसरों के आश्रय में रहने वाला	पराश्रयी
147.	जो दूसरों का उपकार करता हो	परोपकारी
148.	जो पांचाल देश की राजकुमारी हो	पांचाली
149.	नरक में रहने वाला	नारकीय
150.	शक्ति की उपासना करने वाला	शाक्त
151.	तत्काल कविता करने वाला	आशुकवि
152.	जिसके हृदय में ममता न हो	निर्मम
153.	जिसके हृदय में दया न हो	निर्दयी
154.	जो मांस का भोजन न करता हो	निरामिषभोजी
155.	रास्ते के लिए भोजन (कलेवा)	पाथेय
156.	कही गयी बात को बार-बार कहना	पिष्ट-पेषण
157.	जिसने अपनी इन्द्रियों को जीत लिया हो	जितेन्द्रीय
158.	जिसके आने की कोई तिथि निश्चित न हो	अतिथि
159.	जिसकी बहुत अधिक चर्चा की गयी हो	बहुचर्चित
160.	हरिण के समान नेत्रों वाली स्त्री	मृगनयनी
161.	जिसका पेट लम्बा हो	लम्बोदर
162.	सर्वसाधारण जनता में गाया जाने वाला गीत	लोकगीत
163.	वरण या स्वीकार करने योग्य	वरेण्य
164.	विश्वास न करने योग्य	अविश्वस्त
165.	जिसका पति मर गया हो	विधवा
166.	जिसका पति जीवित हो	सधवा
167.	जिसकी पत्नी मर गयी हो	विधुर
168.	जो अपने स्थान से हटाया गया हो	विस्थापित
169.	शरण में आया हुआ	शरणागत
170.	अधिक सहन करने वाला	सहिष्णु
171.	जो स्वयं अपनी इच्छा से सेवा करता हो	स्वयंसेवक
172.	स्मरण करने योग्य	स्मरणीय
173.	हँसी के योग्य	हास्यास्पद
174.	त्रिकाल (भूत, भविष्यत, वर्तमान) की बात को जानने वाला	त्रिकालज्ञ
175.	दोपहर के बाद का समय	अपराह्न
176.	बहुत दूर की बात पहले से सोचने वाला	दूरदर्शी
177.	जो अपना कार्य स्वयं करता हो	स्वावलम्बी
178.	क्षण भर में नष्ट हो जाने वाला	क्षणभंगुर
179.	किये गये उपकार को मानने वाला	कृतज्ञ
180.	ईश्वर को साकार मानने वाला भक्त	सगुणोपासक
181.	प्रारम्भ से अंत तक	आद्योपान्त

(घ) वाक्यों में त्रुटिमार्जन

(लिंग, वचन, कारक, काल और वर्तनी सम्बन्धी त्रुटि से सम्बन्धित)

(अ) लिंग सम्बन्धी अशुद्धियाँ

(1) हिन्दी में केवल दो ही लिंग होते हैं–पुल्लिंग और स्त्रीलिंग।
(2) क्षेत्रीय प्रयोगों को उचित न मानकर मानक हिन्दी (खड़ीबोली) में प्रयुक्त लिंग व्यवस्था को ही उचित मानना चाहिए।
(3) जिन पुल्लिग शब्दों का स्त्रीलिंग बनता है, उनका सावधानीपूर्वक उचित प्रयोग करना चाहिए।
(4) जब भिन्न लिंगी कर्त्ता विभक्ति रहित एक वचन में हों तथा 'और' संयोजक से जुड़े हों, तो उनकी क्रिया पुल्लिग बहुवचन में होगी।

उदाहरण

अशुद्ध–महादेवी वर्मा विद्वान कवयित्री थीं। **शुद्ध**–महादेवी वर्मा विदुषी कवयित्री थीं।
अशुद्ध–लक्ष्मीबाई वीर महिला थीं। **शुद्ध**–लक्ष्मीबाई वीरांगना थीं।
अशुद्ध–यदि आप मेरे घर पधारेंगे तो आपकी महती कृपा होगी। **शुद्ध**–यदि आप मेरे घर आयेंगे तो आपकी महती कृपा होगी।
अशुद्ध–राम और श्याम बातचीत कर रहा है। **शुद्ध**–राम और श्याम बातचीत कर रहे हैं।
अशुद्ध–क्या मेरा तौलिया सूख गया? **शुद्ध**–क्या मेरी तौलिया सूख गयी?
अशुद्ध–कृष्णा और राधा नृत्य कर रहे हैं। **शुद्ध**–कृष्णा और राधा नृत्य कर रही हैं।
अशुद्ध–पुत्री पराया धन होता है। **शुद्ध**–पुत्री पराया धन होती है।

(आ) वचन सम्बन्धी अशुद्धियाँ

हिन्दी में केवल दो वचन होते हैं–एकवचन तथा बहुवचन। यहाँ वचन सम्बन्धी कुछ नियम लिखे जा रहे हैं–

(1) कुछ शब्द सदैव बहुवचन में ही प्रयुक्त होते हैं; यथा, प्राण, दर्शन, हस्ताक्षर, आँसू, होश, बाल–अनेक आदि।
(2) भाववाचक संज्ञाएँ सदा एकवचन में प्रयुक्त होती हैं; जैसे—बुढ़ापा, बचपन, लड़कपन, भावुकता।
(3) आदरणीय व्यक्तियों के साथ एकवचन होते हुए भी बहुवचन की क्रिया लगाई जाती है।
(4) कुछ शब्द सदैव एकवचन होते हैं; यथा—सामान, माल, जनता आदि से संस्कृत में अनुवाद।

उदाहरण

अशुद्ध–टक्कर लगते ही उसका प्राण निकल गया। **शुद्ध–**टक्कर लगते ही उसके प्राण निकल गये।
अशुद्ध–प्रधानाचार्य जी ने हस्ताक्षर कर दिया। **शुद्ध–**प्रधानाचार्य जी ने हस्ताक्षर कर दिये।
अशुद्ध–मैंने मन्दिर जी का दर्शन कर लिया। **शुद्ध–**मैंने मन्दिर जी के दर्शन कर लिए।
अशुद्ध–चाँटा लगते ही उसका आँसू निकल पड़ा। **शुद्ध–**चाँटा लगते ही उसके आँसू निकल पड़े।
अशुद्ध–कृपया मेरे सामानों पर निगाह रखना। **शुद्ध–**कृपया मेरे सामान पर निगाह रखना।
अशुद्ध–आज सभा में अनेकों नेताओं के भाषण हुए। **शुद्ध–**आज सभा में अनेक नेताओं के भाषण हुए।
अशुद्ध–मेरा बड़ा भाई आ रहा है। **शुद्ध–**मेरे बड़े भाई आ रहे हैं।
अशुद्ध–अध्यापक कक्षा में पढ़ा रहा है। **शुद्ध–**अध्यापक कक्षा में पढ़ा रहे हैं।

(इ) कारक सम्बन्धी अशुद्धियाँ

हिन्दी में कारक सम्बन्धी प्रयोग के नियम संस्कृत से पर्याप्त भिन्न हैं। अत: हिन्दी कारक चिह्नों का सही प्रयोग समझना चाहिए। हिन्दी में कारक चिह्न निम्न प्रकार से हैं—

(1) कर्त्ता—ने
(2) कर्म—को
(3) करण—से या द्वारा
(4) सम्प्रदान—के लिए या को
(5) अपादान—से (अलगाव अर्थ में)
(6) सम्बन्ध—का, की, के, रा, री, रे
(7) अधिकरण—मैं, पर
(8) सम्बोधन—हे, रे, अरे

उदाहरण

अशुद्ध–मैं भोजन कर लिया हूँ। **शुद्ध–**मैंने भोजन कर लिया है।

अशुद्ध—इन बातों से तेरे को क्या लेना-देना। **शुद्ध**—इन बातों से तुझे क्या लेना-देना।
अशुद्ध—मैं कलम के साथ लिखता हूँ। **शुद्ध**—मैं कलम से लिखता हूँ।
अशुद्ध—मुझे कहा गया है कि घर से आज न निकलूँ। **शुद्ध**—मुझसे कहा गया है कि आज घर से न निकलूँ।
अशुद्ध—तुम मेरे से मत बोलो। **शुद्ध**—तुम मुझसे मत बोलो।
अशुद्ध—उसको लड़का हुआ है। **शुद्ध**—उसके लड़का हुआ है।
अशुद्ध—राम ने पुस्तक को पढ़ा लिया। **शुद्ध**—राम ने पुस्तक पढ़ा ली।
अशुद्ध—ओ बालक! खड़ा रह। **शुद्ध**—रे बालक! खड़ा रह।

(ई) काल सम्बन्धी अशुद्धियाँ

हिन्दी में तीन काल हैं–वर्तमान काल, भूत काल और भविष्य काल। काल का निर्णय क्रिया से होता है, किन्तु कभी-कभी क्रिया को देखकर काल का निर्णय करना कठिन हो जाता है। यहाँ कतिपय अशुद्धियों के उदाहरण दिये जा रहे हैं।

उदाहरण

अशुद्ध—मैं लड़के को पढ़ाया हूँ। **शुद्ध**—मैंने लड़के को पढ़ाया है।
अशुद्ध—सूर्य पूरब में निकलता था। **शुद्ध**—सूर्य पूरब में निकलता है।
अशुद्ध—यदि तुम आये होते तो मैं भी चलूँगा। **शुद्ध**—यदि तुम आये होते तो मैं भी चलता हूँ।
अशुद्ध—जब तुम मेरे यहाँ आओ तो मैं भी चलूँगा। **शुद्ध**—जब तुम मेरे यहाँ आओगे तो मैं भी चलूँगा।
अशुद्ध—एक पुरुष और एक स्त्री जा रही है। **शुद्ध**—स्त्री और पुरुष जा रहे हैं।
अशुद्ध—तुम बच्चों को कहानी सुनाया कर। **शुद्ध**—तुम बच्चों को कहानी सुनाया करो।

(उ) वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियाँ

वाक्य में प्रयुक्त किसी भी शब्द की वर्तनी अशुद्ध होने पर वाक्य भी अशुद्ध माना जाता है। अत: शब्दों को, चाहे वह सामासिक शब्द हों या सन्धि युक्त शब्द, शुद्ध रूप से जानना आवश्यक है। यहाँ कुछ अशुद्ध शब्दों के शुद्ध लिखे जा रहे हैं—

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
अध्यन	अध्ययन	अनुदित	अनूदित
अहार	आहार	अनुग्रहीत	अनुगृहीत
अंगीठी	अँगीठी	अनुषंगिक	अनुषांगिक
अनुसूइया	अनसूया	अत्याधिक	अत्यधिक
अनाथिनी	अनाथा	अन्तकरण	अन्त:करण
अतिथी	अतिथि	अध्यात्मिक	आध्यात्मिक
इन्द्रा गांधी	इन्दिरा गाँधी	अपेच्छा	अपेक्षा
इक्षा	इच्छा	उत्तदाई	उत्तरदायी
उन्नतशील	उन्नतिशील	उपलक्ष	उपलक्ष्य
उपेच्छित	उपेक्षित	उछाह	उत्साह
उपरोक्त	उपर्युक्त	उपसंघार	उपसंहार
उज्वल	उज्ज्वल	अनाधिकार	अनधिकार
अन्तर्ध्यान	अन्तर्धान	कवियत्री	कवयित्री
करम	कर्म	कोशिल्या	कौशल्या
कालीदास	कालिदास	कन्ठ, कंठ	कण्ठ
कनिष्ट	कनिष्ठ	क्रतघ्नी	कृतघ्न
क्रतज्ञ	कृतज्ञ	कलस	कलश
क्रतार्थ	कृतार्थ	ग्रहस्थ	गृहस्थ
गत्यावरोध	गत्यवरोध	गमार	गंवार

अशुद्ध	शुद्ध
गरिष्ट	गरिष्ठ
घमन्ड	घमण्ड
चंचल	चञ्चल
चर्म सीमा	चरम सीमा
जगतेश	जगदीश
जन्ता	जनता
तात्कालीन	तत्कालीन
टिप्पड़ी	टिप्पणी
दुसह	दु:सह या दुस्सह
देहिक	दैहिक
दाइत्व	दायित्व
धेर्य	धैर्य
नसीला	नशीला
नगन्य	नगण्य
परलौकिक	पारलौकिक
परिच्छा	परीक्षा
प्रदर्शिनी	प्रदर्शनी
प्रथ्वी	पृथ्वी
प्रिगाड़	प्रगाढ़
परोच्छ	परोक्ष
परुषोत्तम	पुरुषोत्तम
प्रशाद	प्रसाद
ब्रहद	वृहद
वालक	बालक
भाज्ञ	भाग्य
भागीरथ	भगीरथ
भगिनी	भगिनि
मंत्रिमंडल	मन्त्रिमण्डल
महूरत	मुहूर्त
महत्व	महत्त्व
महात्म्य	माहात्म्य
माताजी	माताजी
यायवार	यायावर
युधिष्ठर	युधिष्ठिर
राज	राज्य
रुग्ड़	रुग्ण
लच्छिन	लक्षण
बैद्य	वैद्य
बैरज्	वैर
विधवत्	विधिवत्
वस्तू	वस्तु
बिरहणी	विरहिणी
विपच्छ	विपक्ष
सामिग्री	सामग्री

अशुद्ध	शुद्ध
घणियाल	घड़ियाल
चांद	चाँद
चच्छु	चक्षु
जगन्य	जघन्य
जनम	जन्म
जागृत	जाग्रत
जज्ञ	यज्ञ
तत्कालिक	तात्कालिक
तमासा	तमाशा
दुख	दु:ख
दृष्टव्य	द्रष्टव्य
द्वारिका	द्वारका
धरम	धर्म
नगनि या नगन	नग्न
नमरता	नम्रता
परुपकार	परोपकार
प्रतिक्षा	प्रतीक्षा
पुजारन	पुजारिन
प्रथक	पृथक्
पैत्रिक	पैतृक
प्राविधान	प्रावधान
पाण्डे	पाण्डेय
पूज्यनीय	पूजनीय
पौदा	पौधा
ब्रह्मचर्य	ब्रह्मचर्य
भरोषा	भरोसा
भिकारी	भिखारी
भगीथी	भागीरथी
भासा	भाषा
महानता	महत्ता
मूरत	मूर्ति
मलीन	मलिन
माधुर्यता	मधुरता या माधुर्य
महेस	महेश
यग्य	यज्ञ
यसोदा	यशोदा
रच्छा	रक्षा
रजनि	रजनी
लछिमन	लक्ष्मण
लालमा	लालिमा
वैद्य	वैध
वितीत	व्यतीत
बकील	वकील
विदेशिक	वैदेशिक

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
साधू	साधु	सन्शय	संशय
वापिस	वापस	सिक्षा	शिक्षा
व्रतान्त	वृतान्त	सुलोचनी	सुलोचना
शाशन	शासन		

प्रश्न– निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए–

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
1. वहाँ अनेकों मनुष्य जुटे थे।	1. वहाँ अनेक मनुष्य जुटे थे।
2. तुम तो कुर्सी में बैठे हो।	2. तुम कुर्सी पर बैठे हो।
3. इस सरोवर में अनेकों कमल खिले हैं।	3. इस सरोवर में अनेक कमल खिले हैं।
4. प्रदेश में मंत्रीमण्डल विस्तार हो गया।	4. प्रदेश में मंत्रिमण्डल का विस्तार हो गया।
5. क्या वह अपनी परीक्षा दी?	5. क्या उसने परीक्षा दी।
6. अनेकों नकलची पकड़े गये।	6. अनेक नकलची पकड़े गये।
7. कई विद्यालय के छात्र गिरफ्तार हुए।	7. विद्यालय के कई छात्र गिरफ्तार हुए।
8. सम्मेलन में कवित्री भाग लिया।	8. सम्मेलन में कवयित्री ने भाग ली।
9. भाश्कर उदित होता है सदैव पूर्व में।	9. भाष्कर सदैव पूर्व में उदित होता है।
10. रोजाना काम करने वाले दैनिक मजदूरों का वेतन बढ़ाने वाला है।	10. दैनिक मजदूरों का वेतन बढ़ने वाला है।
11. मुझे केवल पाँच रुपये मात्र की आवश्यकता है।	11. मुझे मात्र पाँच रुपये की आवश्यकता है।
12. उनको काम करने की इच्छा नहीं है।	12. उनकी काम करने की इच्छा नहीं है।
13. तुम तो घोड़े में सवार हो।	13. तुम मेरे घोड़े पर सवार हो।
14. इन शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग करो।	14. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो।
15. उसने अपनी पत्नी का गला घोंटकर मार डाला।	15. उसने अपनी पत्नी को गला घोंटकर मार डाला।
16. जनकपुर के नर-नारियाँ राम का रूप देखकर मुग्ध हो गये।	16. जनकपुर के नर-नारियाँ राम का रूप देखकर मुग्ध हो गईं।
17. उसने कुत्ते को लाठी द्वारा मारा।	17. उसने कुत्ते को लाठी से मारा।
18. हम आँखों द्वारा देखते हैं।	18. हम आँखों से देखते हैं।
19. घाव में दवा लगाओ।	19. घाव पर दवा लगाओ।
20. कृपया अवकाश देने की कृपा करें।	20. अवकाश देने की कृपा करें।
21. बच्चों से माल्यार्पण किया गया।	21. बच्चों द्वारा माल्यार्पण किया गया।
22. ये भले आदमी हैं, उनकी प्रकृति अच्छी है।	22. ये भले आदमी हैं, इनकी प्रकृति अच्छी है।
23. मैंने कह दिया था कि हम आज शाम को खाना नहीं खायेंगे।	23. मैंने कह दिया था कि मैं आज शाम को खाना नहीं खाऊँगा।
24. हरि ने घर गया और सोया।	24. हरि घर गया और सोया।
25. वह लड़का इसलिए गिर पड़ा कि वह असावधान था।	25. वह लड़का इसलिए गिर पड़ा क्योंकि वह असावधान था।
26. उपरोक्त कथन से हम सहमत हूँ।	26. उपर्युक्त कथन से मैं सहमत हूँ।
27. उसकी बुद्धि मुझसे अच्छी है।	27. उसकी बुद्धि मेरी बुद्धि से अच्छी है।
28. मैं वाराणसी गया और वहाँ गंगाजी में स्नान किया।	28. मैं वाराणसी गया और मैंने गंगाजी में स्नान किया।

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
29. मैं रविवार वाले दिन पहुँच रहा हूँ।	29. मैं रविवार को पहुँच रहा हूँ।
30. सम्भवत: वह अवश्य आयेगा।	30. वह अवश्य आयेगा।
31. शायद आज वर्षा अवश्य होगी।	31. आज वर्षा अवश्य होगी।
32. वह लड़के कहाँ जा रहे हैं।	32. वे लड़के कहाँ जा रहे हैं?
33. ब्राह्मण कहाँ विद्याभ्यास के लिए गये थे?	33. ब्राह्मण विद्याभ्यास के लिए कहाँ गये थे?
34. अधिकांश हिन्दी के लेखक निर्धन हैं।	34. हिन्दी के अधिकांश लेखक निर्धन हैं।
35. सचिन के खेल की विश्व भर में प्रसिद्धि है।	35. सचिन के खेल की प्रसिद्धि विश्व भर में है।
36. कोई गाँव का आदमी यह नहीं चाहता है।	36. गाँव का कोई आदमी यह नहीं चाहता है।
37. मोहन आपके ऊपर विश्वास करता है।	37. मोहन आप पर विश्वास करता है।
38. जाकर देखो यहाँ क्या हो रहा है?	38. जाकर देखो वहाँ क्या हो रहा है?
39. इसमें समस्त मानव-मात्र का कल्याण निहित है।	39. इसमें मानव-समाज का कल्याण निहित है।
40. उसका प्राण निकलने वाला है।	40. उसके प्राण निकलने वाले हैं।
41. उसके भाषण के एक-एक शब्द नपे-तुले थे।	41. उसके भाषण का एक-एक शब्द नपा-तुला था।
42. कुछ लोग परस्पर एक-दूसरे को सन्देह की दृष्टि से देखते हैं।	42. कुछ लोग एक-दूसरे को सन्देह की दृष्टि से देखते हैं।
43. मैं अपने गुरुजी की श्रद्धा करता हूँ।	43. मैं अपने गुरुजी पर श्रद्धा रखता हूँ।
44. दोनों की दशा एक सी है।	44. दोनों की दशाएँ एक-सी हैं।
45. मैं सकुशलपूर्वक हूँ।	45. मैं सकुशल हूँ।
46. पाँच रेलवे के कर्मचारी पकड़े गये।	46. रेलवे के पाँच कर्मचारी पकड़े गये।
47. एक फूल की माला लाओ।	47. फूलों की एक माला लाओ।
48. अनेकों लोगों ने सरकारी नीतियों की प्रशंसा की।	48. अनेक लोगों ने सरकारी नीतियों की प्रशंसा की।
49. सरकारी मिट्टी के तेल की दुकान बन्द है।	49. मिट्टी के तेल की सरकारी दुकान बन्द है।
50. मैं आपके आधीन नहीं हूँ।	50. मैं आपके अधीन नहीं हूँ।
51. रामायण के पढ़ने से समस्त प्राणि मात्र का कल्याण सम्भव है।	51. रामायण के पढ़ने से प्राणि मात्र का कल्याण सम्भव है।
52. मेरी इच्छा स्टेशन पर मेरे बेटे से मिलने की है।	52. मेरी इच्छा है कि मैं अपने बेटे से स्टेशन पर मिल लूँ।
53. परमात्मा के अनेकों नाम हैं।	53. परमात्मा के अनेक नाम हैं।
54. यहाँ ताजे गन्ने का रस मिलता है।	54. यहाँ गन्ने का ताजा रस मिलता है।
55. वह धर्मार्थ के लिए दान दे रहा है।	55. वह धर्मार्थ दान दे रहा है।
56. मुझे केवल पाँच रुपये मात्र की आवश्यकता है।	56. मुझे केवल पाँच रुपये की आवश्यकता है।
57. ताजा हवा अच्छी होती है।	57. ताजी हवा अच्छी होती है।
58. उसकी आँखों में आँसू आ गया।	58. उसकी आँखों में आँसू आ गये।
59. महात्माजी का दर्शन करके हर्ष हुआ।	59. महात्माजी के दर्शन करके हर्ष हुआ।
60. मेरा प्राण संकट में है।	60. मेरे प्राण संकट में हैं।
61. मैंने यह निर्णय लिया है।	61. मैंने यह निर्णय किया है।
62. क्या तुमने प्रार्थना-पत्र पर अपना हस्ताक्षर कर दिया है।	62. क्या तुमने प्रार्थना-पत्र पर अपने हस्ताक्षर कर दिये हैं।
63. उसने ध्रूमपान न करने की प्रतिज्ञा ली।	63. उसने ध्रूमपान न करने की प्रतिज्ञा की।

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
64. महादेवी वर्मा हिन्दी की प्रसिद्ध कवित्री हैं।	64. महादेवी वर्मा हिन्दी की प्रसिद्ध कवयित्री है।
65. हमारी सौभाग्यवती कन्या का विवाह है।	65. मेरी सौभाग्यवती कन्या का विवाह है।
66. एक हाथी भड़क गई मेले में।	66. एक हाथी मेले में भड़क गयी।
67. उसकी सौजन्यता अनुकरणीय है।	67. उसका सौजन्य अनुकरणीय है।
68. यह बालक आपकी प्रतीक्षा में सो गया।	68. यह बालक आपकी प्रतीक्षा करते-करते सो गया।

(ङ) लोकोक्ति एवं मुहावरे

1. **अक्ल के पीछे लाठी लिए फिरना**—मूर्खता के काम करना।
वाक्य-प्रयोग—तुम्हें कितनी बार समझाया पर तुम तो अक्ल के पीछे लाठी लिए फिरते हो। अब जो है सो भोगो।
2. **आँख दिखाना**—क्रोध प्रकट करना, धमकाना।
वाक्य-प्रयोग—आपका आँखें दिखाना बेकार है। मैं अन्याय का भण्डाफोड़ अवश्य करूँगा।
3. **आँखों में धूल झोंकना**—धोखा देना।
वाक्य-प्रयोग—हमारे नेता आजकल खुले आम जनता की आँखों में धूल झोंक रहे हैं।
4. **आगबबूला होना**—बहुत क्रोधित होना।
वाक्य-प्रयोग—हनुमान द्वारा राम की प्रशंसा सुनकर रावण आगबबूला हो गया।
5. **आस्तीन का साँप**—मित्रता की ओट में छिपा हुआ शत्रु।
वाक्य-प्रयोग—सावधान रहना! हमारे दल में बहुत से आस्तीन के साँप घुस आये हैं।
6. **ईद का चाँद होना**—बहुत दिन बाद दिखाई देना।
वाक्य-प्रयोग—कहो मित्र, अब तक कहाँ रहे, तुम तो ईद के चाँद हो गये हो।
7. **ऊँट के मुँह में जीरा**—अत्यधिक के स्थान पर कम मिलना।
वाक्य-प्रयोग—इतनी बड़ी योजना के लिए एक लाख रुपये ऊँट के मुँह में जीरा है।
8. **कान पर जूँ न रेंगना**—कोई ध्यान न देना।
वाक्य-प्रयोग—मैंने तुम्हें हजार बार समझाया, किन्तु तुम्हारे कान पर जूँ नहीं रेंगती।
9. **गड़े मुर्दे उखाड़ना**—पुरानी दबी हुई बातों को फिर से सामने लाना।
वाक्य-प्रयोग—तुम दोनों को अब प्रेम से रहना चाहिए। गड़े मुर्दे उखाड़ने से क्या लाभ? उन पुरानी बातों को भूल जाओ।
10. **गागर में सागर भरना**—थोड़े में बहुत अधिक कह देना।
वाक्य-प्रयोग—बिहारी लाल ने अपने दोहों में गागर में सागर भर दिया है।
11. **घाव पर नमक छिड़कना**—दुःखी व्यक्ति को और दुःखी करना।
वाक्य-प्रयोग—तुम उसे बुरा-भला कहकर क्यों घाव पर नमक छिड़कते हो? असफलता का दुःख उसे क्या कम है?
12. **घी के दिये जलाना**—बहुत प्रसन्न होना।
वाक्य-प्रयोग—राम के अयोध्या लौटने पर अयोध्यावासियों ने घी के दिये जलाये थे।
13. **अक्ल के दुश्मन**—मूर्ख।
वाक्य-प्रयोग—तुम तो निरे अक्ल के दुश्मन हो, कहीं सम्बन्धी से भी वैर किया जाता है।
14. **अंगारे उगलना**—अत्यधिक गुस्से में बोलना।
वाक्य-प्रयोग—ऐसे अधिकारी से सभी कर्मचारी दुःखी रहते हैं, जो अपने सहयोगियों पर हर समय आग ही उगलता रहता है।

15. **अंगारों पर चलना**—जान-बूझकर खतरा उठाना।
वाक्य-प्रयोग—आजकल सत्य के मार्ग में चलना अंगारों पर चलने के समान है।

16. **अंग-अंग फूले न समाना**—अत्यधिक प्रसन्न होना।
वाक्य-प्रयोग—प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने पर रमेश का अंग-अंग फूला नहीं समा रहा था।

17. **अन्न-जल उठ जाना**—अन्तिम समय आना।
वाक्य-प्रयोग—रामेश्वर की बीमारी शीघ्र ही इस संसार से उसका अन्न-जल उठा लेगी।

18. **आँख का तारा**—अत्यन्त प्रिय होना।
वाक्य-प्रयोग—इकलौता पुत्र माता-पिता की आँख का तारा होता है।

19. **घोड़े बेचकर सोना**—गहरी नींद सोना।
वाक्य-प्रयोग—परीक्षा सिर पर आ जाने पर भी वह घोड़े बेचकर सो रहा है।

20. **छक्के छुड़ाना**—पराजित कर देना।
वाक्य-प्रयोग—इस बार भारत की क्रिकेट टीम ने इंग्लैण्ड के छक्के छुड़ा दिये।

●●●